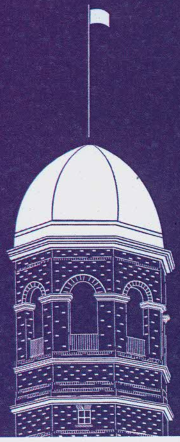

श्री अजय नारायण झा

विशिष्ठ अतिथि
सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन,
भारत सरकार, का संबोधन

माननीय मंत्री जी, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान, भारत सरकार, डॉ हर्षवर्धन जी, श्री सिद्धान्त दास वन महानिदेशक एवं विशेष सचिव, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिर्वतन मंत्रालय भारत सरकार, डॉ0 एस0 सी0 गैरोला, महानिदेशक आई0सी0 एफ0 आर0 ई0 एवं कुलाधिपति वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय, डॉ सविता, निदेशक, एफ0आर0आई0 एवं कुलपति एफ.आर.आई. सम विश्वविद्यालय, विद्वान अतिथियों, प्यारे विद्यार्थियों, देवियों, व सज्जनों, आप सभी को सुप्रभात।

आज वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह में यहां आपके मध्य इस अवसर पर उपस्थित होने का मुझे विशेषाधिकार प्राप्त हुआ है। यह दीक्षांत समारोह कई सालों के बाद आयोजित किया जा रहा है और वास्तव में यह छात्रों, शिक्षण संकाय, प्रबंधन और माता–पिता के लिए एक विशेष दिन का प्रतीक है। एक और बैच की परिणति के साथ उनके श्रम के फल में संकाय और प्रबंधन आनंद लेते हैं। छात्रों के लिए छात्र जीवन के अंत और दूसरे जीवन की शुरुआत और भविष्य की आशंका के साथ ही यह उत्सव का एक क्षण है। माता पिता के लिए यह उनके वार्ड की सफलता का आनंद लेने का एक अवसर है और अपने बच्चों को शिक्षा प्रदान करने की उनकी जिम्मेदारियों को पूरा करने की भावना है। इसलिए सभी के लिए एक विशेष अवसर है। हम आपके सभी प्रयासों के लिए हम सभी को पहचानते हैं और बधाई देते हैं।

प्रिय विद्यार्थियों आप वन अनुसंधान जैसी प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन कर सौभाग्यशाली रहे हैं। वास्तव में यह संस्थान विश्व में उष्ण कटिबंधीय सर्वोत्कृष्ट अनुसन्धानों हेतु एक ब्रान्ड के रूप में जाना जाता है । यह विश्वविद्यालय अपने देश में फैले 18 स्थापित शोध केंन्द्रों सहित भारत में औपचारिक शिक्षा के बहुत व्यापक विश्वविद्यालयों में से एक है। इस विश्वविद्यालय ने देश के सभी वन विश्वविद्यालयों के मध्य वन एवं पर्यावरण पर गहन एवं विशिष्ट महत्व दिया है जहां दूर संवेदी, वन्य जीवन आनुवंशिकी, काष्ठ विज्ञान, कागज एवं लुग्दी की तकनीकी, वन सर्वेक्षण करना इत्यादि जैसे वानिकी के विशेष पहलुओं पर कई संस्थानों को वन एंव पर्यावरण के विषय क्षेत्रों में बेहतरी हेतु अवसर प्रदान होता है।

मेरे युवा साथियों डॅाकटोरल एवं परास्नातक उपाधियां जो आपने अर्जित की हैं यह आपके कठिन परिश्रम, समर्पण, ज्ञान जटिल समस्याओं के समाधान की समझ एवं योग्यता की गवाही देता है। आप अपनी उपलब्धियों पर आनन्द मनाने के योग्य हो। ये महान उत्तरदायित्वों एवं ऊँची उपलब्धियों का पासपोर्ट है। वानिकी के क्षेत्र में ये आपकी बड़ी चुनौतियों को हल करने में आपकी कार्य कुशलता का प्रमाण हैं।

जब मै हर तरफ देखता हूँ तो पाता हूँ कि वानिकी क्षेत्र में चुनौतियों की एक बड़ी सूची है। आज जिन मुददों का हम सामना कर रहे हैं, वे घने वनों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र हैं, पिछले कई दशकों के बाद उनका काफी पतन हुआ है। हमारे वनों की उत्पादकता वैश्विक औसत की तुलना में अभी तक काफी कम है। यह देश विदेशों से लकड़ी के व्यापक मात्रा के आयात पर निर्भर है। पौधों, पशुओं एवं निम्न स्तर के जीवों की बहुत सी प्रजातियां संकट में है। औषधीय एवं सुगंधित पौधों का अपोषर्णाय हटाव बडे पैमाने पर किया जा रहा है। चारा एवं ईधन की लकड़ी की निरन्तर कमी, वन निर्भर समुदायों की गरीबी, जलस्तर का घटना, वनाग्नि एवं खतरनाक प्रजातियों का निरन्तर बढ़ना इत्यादि मांग वानिकी के क्षेत्र में प्रत्येक का ध्यान आकर्षित करती हैं। पर्यावरण एवं वनों के क्षेत्र में पिछड़े राज्य, जलवायु परिर्वतन बाढ़, सूखा एवं बादल फटने आदि की संबधित समस्याओं से जूझ रहे है। हमें नीतिगत हस्तक्षेपों पर भी ध्यान देने की जरूरत है जो लोगों को जंगलों के बाहर पेड़ों को उगाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। इसके अलावा, अधिक लाभदायक रोजगार और आय में वनीकरण क्षेत्र कैसे योगदान कर सकता है? इस स्थिति में राष्ट्र को इन समस्याओं के समाधान की आवश्यकता है। यह थोड़ा संतोष की बात है कि देश में वन एवं वृक्ष क्षेत्र पिछले एक दशक से धीरे–धीरे बढ़ रहे है। फॉरेस्ट स्टेटस रिपोर्ट 2015 में वन क्षेत्र 2013 की रिपोर्ट की तुलना में 0.378 मिलियन हेक्टेयर बढ़े है। वन एवं वृक्ष क्षेत्र देश की भौगौलिक क्षेत्र का 79.42 मिलियन हेक्टेयर या 24.16 प्रतिशत है जो इस शताब्दी की शुरूआत में अनुमानित वन क्षेत्र का लगभग 20 प्रतिशत से अधिक है। यह अभी भी भौगोलिक क्षेत्र के 33 प्रतिशत के नीति लक्ष्य से बहुत

अधिक नीचे है। जब हम 2030 तक 250–350 करोड़ टन तक कार्बन सिंक को बढ़ाने के लिए 2015 के पेरिस समझौते के भाग के रूप में प्रस्तुत राष्ट्रीय दृष्टि से निर्धारित अंशदान (एनडीसी) में हमारी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हैं तो वनीकरण और मौजूदा स्टॉक के संरक्षण को बढ़ाने के लिए किए जाने वाले कार्यों की तात्कालिकता सर्वोपरि है। अतः हमारा एक बड़ा उत्तरदायित्व है कि वृक्ष एवं वन के अन्तर्गत क्षेत्र बढ़ाए जाएँ एवं इसकी उत्पादकता भी बढ़ाई जाए।

यह दीक्षांत समारोह आपके दीर्घ जीवन का एक छोटे हिस्से में बड़ी ऊँचाई तय करने के रूप में देखा जा सकता है लेकिन वास्तव में यह आपके जीवन के अध्याय की बड़ी शुरूआत है, वह है व्यावसायिक कैरियर का अध्याय। इस अध्याय में मेरे द्वारा थोडी देर पहले जिक्र की गई चुनौतियों का आपको समाधान पाने की आवश्यकता है। आप एक शोधकर्ता, शिक्षणविद्, व्यवसायिक वन संरक्षक, वृक्ष उगाने वाले, किसी उद्योग, एन. जी. ओ. या अन्य किसी संगठन या समूह में उद्योगपति, कार्यकर्ता, कर्मचारी अथवा प्रबन्धक के रूप में कार्य को चुन सकते है। आपको हमेशा विशेष तरीके से अपने स्तर पर योगदान करने हेतु उत्तरदायित्व एवं अवसर मिलेंगें। मुझे प्रसन्नता है कि आप बड़ी चुनौतियों का सामना करने के लिए तत्पर रहेंगें। मैं आपको आपके प्रयासों में सर्वोत्तम प्राप्ति के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। मंत्रालय की ओर से मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि आपके द्वारा इस दिशा में हर सकारात्मक सुझाव एवं मध्यस्थता देश में व्यापक अनुप्रयोग हेतु मंत्रालय में उपयुक्त स्तर पर गंभीरता से विचारी जायेगी।

मैं विश्वविद्यालय प्राधिकारियों को सुझाव देना चाहूँगा कि उन्हे इस अवसर से लाभान्वित होना चाहिए तथा कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों के संदर्भ में विद्यार्थियों से प्रतिपुष्टि लेना चाहिए। समकालीन समय के साथ मेल खाते नये एवं संबधित कार्यक्रम एवं पाठ्यक्रम चलाए जाने चाहिए।

मै संबन्धित कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों में उनके बुद्धिमत्तापूर्ण निष्पादन हेतु पदक पाने वालों एवं सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देता हूँ तथा आशा करता हूँ कि उनकी उपलब्धियाँ उनके व्यावसायिक जीवन में भी जारी रहे।

प्रिय विद्यार्थियों, मैं आपको एक जिम्मेदार नागरिक मानता हूँ जो अपने व्यक्तिगत जीवन में मानवता, ईमानदारी एवं, जागरूकता से परिपूर्ण हों तथा अपने देश के लिए कर्तव्यनिष्ठ हों। मुझे विश्वास है कि आपने एफ.आर.आई.सम विश्वविद्यालय मे जो प्रतिभा विकसित की है, जो ज्ञान आपने अर्जित किया है तथा जो संपर्क आपने किए है आपको भविष्य में अच्छी मंजिल पर पहुँचाएगी। आप अपने काम में सर्वोत्तम हों तो सफलता आपके कदम चूमेगी। आप सफल होने के लिए बाध्य हैं क्योंकि आप अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से हैं और न्यू इंडिया को पूरा करने में योगदान दें।

ईश्वर आपके प्रयासो एवं महत्वाकांक्षाओं को पूरा करे तथा कठिन परिस्थितियों में आपको धैर्य प्रदान करे। आपकी उन्नति आपके विषयज्ञान हेतु गर्व की बात होगी, देश के लिए बेहतर बुनियाद होगी तथा समस्त मानवता के लिए एक सुखद अनुभूति का कारण होगी।

आपको फिर से बहुत–बहुत शुभकामनाएं

धन्यवाद।